विश्वविद्यालयों, शोधसंस्थानों, अकादमियों, महाविद्यालयों तथा शैक्षिक संस्थानों के शोधकर्ता एवं शिक्षकगण,

उद्घोषणा

दिनांक- 28 अगस्त 2012

महोदय/महोदया,
होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र (टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान), मुंबई द्वारा विज्ञान परिषद् प्रयाग के तत्वावधान में आगामी 2 से 4 नवम्बर 2012 तक एक त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन इलाहाबाद में किया जा रहा है। इस कार्यशाला का विषय है :-

"हिन्दी में शैक्षिक ई-सामग्री का विकास"

इस कार्यशाला का उद्देश्य है विज्ञान तथा गणित में हिन्दी में शैक्षिक इलेक्ट्रानिक सामग्री का विकास करना। कार्यशाला में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों से निवेदन है कि वे अपनी विशेषज्ञता के अनुसार किसी वैज्ञानिक विषय पर एक सुन्दर तथा रुचिकर व्याख्यान तैयार करके आएं जो हिन्दी माध्यम के कालेज स्तर के विद्यार्थियों, तथा अध्यापकों के लिए शैक्षणिक दृष्टि से उपयोगी हो। इसके लिए जरूरी होगा कि देय व्याख्यान विज्ञान एवं गणित की पाठ्यचर्या से सम्बन्धित हो। प्रत्येक प्रस्तुति के लिए "अधिकतम 30 मिनट" का समय नियत है।

प्रस्तुति रोचक तथा जीवंत हो, इसके लिए आवश्यक है कि वह पॉवर प्वाइंट प्रजेण्टेशन हो। शैक्षणिक दृष्टि से यह जरूरी है कि प्रस्तुति की भाषा सरल, सुबोध, प्रवाहमय तथा रुचिकर हो, तथा शैली जीवंत हो। कार्यशाला के समस्त व्याख्यानों की वीडियोरिकार्डिंग कराई जाएगी तथा उन्हें होमी भाभा केन्द्र द्वारा हिन्दी में विज्ञान शिक्षा के लिए विकसित ई-लर्निंग पोर्टल (http://ehindi.hbcse.tifr.res.in) पर अपलोड किया जाएगा।

इस कार्यशाला में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों से निवेदन है कि वे विचारार्थ अपनी प्रस्तुति का शीर्षक तथा न्यूनतम 500 शब्दों में उसके सारांश की सॉफ्ट कॉपी, डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र को उनके पते kkm@hbcse.tifr.res.in पर 10 अक्टूबर 2012 तक भेज दें। वक्ता द्वारा व्याख्यान पर आधारित विस्तृत आलेख की एक टंकित प्रति आयोजक को देय होगी। यह आलेख संगत चित्रों, सारणियों, रेखाचित्रों तथा फोटोग्राफों से सुसज्जित होना चाहिए जिससे उसे पुस्तक रूप में प्रकाशित किया जा सके। सारांश स्वीकृत होने पर यह अपेक्षित होगा कि आलेख की पांडुलिपि कार्यशाला के पहले आयोजक को उपरोक्त ई-मेल पते पर जरूर मिल जाए।

यह त्रिदिवसीय कार्यशाला एक आवासीय कार्यक्रम होगा जिसमें प्रतिभागियों के ठहरने तथा भोजन की व्यवस्था आयोजक द्वारा की जाएगी। प्रतिभागियों को आने-जाने का वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का रेल किराया देय होगा, तथा नियमानुसार मानदेय प्रदान किया जाएगा। अपरिहार्य स्थितियों में वातानुकूलित प्रथम श्रेणी रेल किराया या किफायती श्रेणी का हवाई किराया भी दिए जाने पर विचार किया जा सकता है लेकिन इसके लिए आयोजक की पूर्वानुमति जरूरी होगी।

इस कार्यशाला में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी किसी अन्य जानकारी के लिए कृपया नीचे दिए पते पर संपर्क करें।

डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र
(कार्यशाला संयोजक)
होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र
टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान
वी. एन. पुरव मार्ग, मानखुर्द
मुंबई-400088
फोन (022)25072210
मोबाइल-9867210755

डॉ. शिवगोपाल मिश्र
(स्थानीय कार्यशाला संयोजक)
विज्ञान परिषद् प्रयाग
महर्षि दयानन्द मार्ग
इलाहाबाद-211002
फोन (0532)2460001

राष्ट्रीय कार्यशाला के बारे में

विगत् वर्षों में देश में सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांति आयी है। संचार माध्यमों में इलेक्ट्रॉनिक सामग्रियों का दायरा तथा प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। देश में इंटरनेट सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। जाहिर है नवयुगीन इलेक्ट्रानिक माध्यमों ने हमारे जीवन के सभी पहलुओं को आगोश में ले लिया है। अपनी आनलाइन तथा आफलाइन युक्तियों के जरिए ये माध्यम, सूचना संचय और संचार के बहुमुखी साधन समाज को सुलभ करा रहे हैं। इन माध्यमों के जरिए ब्रह्मण्ड की करीब हर चीज के बारे में जानकारी हमारी उंगलियों पर उपलब्ध है। शिक्षा के क्षेत्र में भी तेजी से बदलाव आ रहा है। बेहतर अधिगम, शिक्षण तथा प्रशिक्षण के लिए ई-सामग्री आज उपयोगी सिद्ध हो रही है तथा आने वाले दिनों में इसकी उपयोगिता तथा उपादेयता बढ़ने ही वाली है। दृश्यश्रव्य माध्यमों तथा ऐनिमेशन तकनीक द्वारा शैक्षिक सामग्री बेहतर तरीके से छात्रों, अध्यापकों तथा प्रशिक्षकों तक पहुँचायी जा सकती है।

हमारे लिए महत्वपूर्ण यह है कि ब्रह्माण्ड के बारे में ज्ञान की पहुंच या सुलभता सार्वत्रिक होनी चाहिए। ऐसा हिन्दी तथा दूसरी भारतीय भाषाओं के जरिए ही हो सकता है। होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र के प्रस्तुत कार्य के पीछे यही भावना काम कर रही है। इस कार्यशाला का उद्देश्य है हिन्दी में शैक्षिक वैज्ञानिक सामग्री का सृजन। हिन्दी जगत बहुत बड़ा और व्यापक है। जाहिर है उसकी जरूरतें तथा अपेक्षाएं भी बहुत व्यापक हैं। भारतीय संविधान की समतामूलक भावना तथा राष्ट्रीय विज्ञान नीति के आलोक में यह कार्य और भी जरूरी हो जाता है।

इसी संदर्भ में शैक्षिक ई-सामग्री के विकास के लिए होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र ने पहल करते हुए फरवरी 2008 तथा नवम्बर 2010 में विज्ञान परिषद प्रयाग में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशालाएं आयोजन की थीं। संस्था ने फिलहाल इसे द्विवार्षिक कार्यक्रम के तौर पर लिया है। इन कार्यशालाओं में देश के लब्ध प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शिक्षकों तथा विज्ञान संचारकों को प्रतिभागी विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया था। इन विशषज्ञों के व्याख्यान डिजिटाइज करके संपादनोपरान्त होमी भाभा केन्द्र द्वारा शुरू किए गए ई-लर्निंग पोर्टल (http://ehindi.tifr.res.in) पर अपलोड किए जा चुके हैं। इसके साथ ही प्रथम कार्यशाला के प्रतिभागी विशेषज्ञों के आलेख "ज्ञान-विज्ञान : समकालीन शैक्षिक निबन्ध" शीर्षक से होमी भाभा केन्द्र द्वारा वर्ष 2009 में पुस्तक रूप में प्रकाशित किए जा चुके हैं। यह पुस्तक पीडीएफ फार्मैट में उपरोक्त पोर्टल पर भी उपलब्ध है। आशा है कि वर्ष 2010 के चयनित आलेख भी पुस्तक रूप में वर्ष के अंत तक प्रकाशित हो पाएंगे। इस तरह इन कार्यशालाओं से इलेक्ट्रानिक तथा मुद्रित, दोनों तरह की सामग्रियां तैयार किए जाने का प्रयास है। प्रस्तावित कार्यशाला इसी क्रम में तीसरी राष्ट्रीय कार्यशाला है तथा उसका अभीष्ट तथा प्रारूप अपनी पूर्ववर्ती कार्यशालाओं जैसा ही है। अत : विषय विशेषज्ञों से आग्रह है कि वे इस कार्यशाला के जरिए हिन्दी में विज्ञान विषयक उच्च गुणवत्ता की सामग्रियों के सृजन में अपना अमूल्य योगदान दें।

डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र
कार्यशाला संयोजक